Topic ______ Date. ______

NAME

Simran Sharma

Rollno - 3360

Course - Bcom (P)

SGND KHALSA

Submitted To

Mr ASHISH THOMAS

TELCO

Teacher's Sign ______

Topic ____ Date. ____

'प्रदूषण का केन्द्र नजफगढ़ नाला'

(जल प्रदूषण)

Image 1

TELCO

Teacher's Sign ____

Topic ____________ Date. ____________

विषयसूची

	नाम	क्रम स.
1	इतिहास (नजफगढ़ झील)	1-4
2	मानचित्र	5
3	जल प्रदूषण	6-7
4	समस्यों के कारण	8-9
5	प्रभाव	10-11
6	सरकार के कदम	12-13
7	सुझाव	14-15
8	निष्कर्स	16
9	(Biblography)	17

TELCO

Teacher's Sign ____________

Topic _____ Date. _____

"कल की झील, "आज का नाला"!!

आज जो देश की राजधानी दिल्ली ने सबसे प्रदूषित जल का केन्द्र है वह दिल्ली के नाले हैं जो घरेलु तथा औद्योगिक प्रदूषित जल की निकासी करते हैं ~~वह~~ एक समय नई दिल्ली में यमुना नदी के बाद पानी का सबसे बड़ा स्त्रोत नजफगढ़ झील हुआ करती थी जो आज नाले में बदल चुकी है। आज का नजफगढ़ नाला इस झील को यमुना नदी से जोड़ता था। यह नाला कभी राजस्थान के ज्यपूर की जीतगढ़ से निकलकर अलवर, कोटपुतली होते हुए हरियाणा के रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील से मिलता था तथा झील से यमुना नदी को जोड़ता था जिसे वहा साहिबी या रोहिणी नदी के रूप में जानते है। नजगगढ़ झील यमुना नदी की प्राकृतिक बेसिनों में सबसे बड़ी बेसिन थी। उस समय नेजफगढ़ झील में ~~क~~ पानी राजस्थान की तरफ से आता था जिसमे हरियाणा के कई जिले जैसे रोहतक, गुरुग्राम ~~व~~ व कांसा आते थे जब बरसात के समय झील भरती थी तो चारो तरफ हरियाली होती थी जिससे वह इलाका बहुत सुंदर दिखता था। आज यह झील हरियाणा के खेड़की माजरा गाँव में स्थित है इसका कुल क्षेत्रफल 120.80 हैक्टेयर है।

Topic ______ Date. ______

★ झील का आकार

यह झील कभी 1 हजार वर्ग किलोमीटर में हुआ करती थी इसका क्षेत्रफल आज के गुरुग्राम के सेक्टर 107, 108 से दिल्ली के पप्पनकला तक था। यह हरियाणा के झज्जर तक फैली थी परंतु बरसात में फैल कर आठ मील दूर बहादुरगढ़ तक फैल जाती थी। इस झील की गहराई 15 से 20 फीट थी जो आज और भी नीचे चला गया है।
शहरीकरण के कारण भू जल स्तर गीरा है तथा वन क्षेत्र भी कम हुआ है।

नजफगढ़ नाला यमुना नदी में गिरने के लिए 57 किलोमीटर दूरी तय करता है इससे ढाँसा से लेकर ककरोला तक के 28 छोटे नाले तथा अन्य 75 छोटे-बड़े नाले नजफगढ़ नाले में आकर मिलते है। जो पूरी दिल्ली के उपस्थित जल को यमुना तक पहुचाते है। यह नाले जल निकासी का मुख्य साधन है जल निकासी का। यह नाले पूरी नई दिल्ली में जाल की तरह चारो तरफ फैले हुए है। जो कभी प्राकृतिक आवास हुआ करता था आज केवल गंदगी बहा लेजाने का एक मात्र जरिया बन गया है।

Image-2

Topic ____ Date. ____

★ नजफगढ़ झील का पारिस्थितिकी तंत्र

नजफगढ़ झील केवल झील मात्र या जल का स्त्रोत ही नहीं थी परंतु करोड़ो जीवो का आवासीय स्थल थी। उस समय यह झील पक्षियों का विहार (Bird Sanctuary) थी जहाँ हजारों पक्षी रहा करते थे। तब यह स्थान पक्षियों का घर था तथा अंग्रेजी काल में अंग्रेज यहाँ पक्षियों का शिकार किया करते थे तथा यहाँ 400 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातिया पाई जाती थी जिसमें 25% विदेशी थे तथा यहा कभी साईबेरियन क्रेन (Siberian crane) भी देखा गया था।
जल में भी एक जीवन तंत्र था। झील में हजारों मछलियाँ पाई जाती थी कई तरह की प्रजातियों की मछलियो का घर यह झील थी।

झील के आस-पास वन होने के कारण वन्य जीवन भी भरा पुरा था जिसमे अनेकों जीव आवास करते थे जिसमे अनेको जीवों का जीवन तंत्र मौजूद था जो शहरीकरण तथा शहरी चका चौंद में लुप्त हो गया। तथा करोड़ो जीवों से उनका घर छीन गया तथा वन भी लुप्त हो कर केवल 6% प्रतिशत रह गया है 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में वन केवल 6% रह गया है। मानवीय आबादी नें वन्य जीवन तथा प्राकृतिक संपदा को नष्ट कर दिया है।

मानचित्र [Map]

Image - 3

★ साल 2015 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ ड्रेन को भारत के सबसे अधिक प्रदूषित 12 वेटलैंड में से एक बताया है।

जल प्रदूषण

नजफगढ़ नाला दिल्ली का (Drainage system) जल निकाशी व्यवस्था का मुख्य साधन है। जिसके जल प्रदूषण अत्यधिक बढ़ गया है। घरेलू गंदा पानी इन नालों में पहुचता है तथा अन्य कई कारणों से जल दिन-प्रतिदिन गंदा व दूषित होता जा रहा है जिसके कारण दिल्ली में स्वच्छ जल की कमी होती जा रही है एक समय पर स्वच्छ व प्रदर्शी जल आज काला तथा गंदा दिखता है। दिल्ली में जल प्रदूषण के कारण निम्न है :—

जल की गुणवत्ता में कमी - नजफगढ़ नाले में जल की गुणवत्ता सबसे निम्न कोटि की है। तथा अत्यधिक रासायनिक तथा जहरीले पदार्थों के कारण जल की दृश्य तथा गुणवत्ता दोनों नष्ट हो गए है। रसायनिक पदार्थों के कारण जल का ph स्तर भी बहुत खराब हो गया है।

Image – 4

Teacher's Sign.....

कुडे का भंड़ार

नाले तथा उसके जल के गंदे व दूषित होने का मुख्य कारण है स्थानिय लोगो के नाले में कूड़ा फेकना। घरेलू कूड़ा-कचरा सबसे ज्यादा नाले में सीधे फेंका जाना जल दूषण का मुख्य कारण है। स्थानीय लोगों द्वारा कूले का सही निपटारण ना करना।

जलीय जीवन का नाश

जल प्रदूषण के कारण जलीय जीवों तथा नालें पर निर्धारित जीवों के जीवन तथा उनकी प्रजाति का नाश हुआ है यह सब नालें के जल में घरेलू गंदा पानी तथा रसायनिक उपष्टियो के नाले में सीधा बहाने से हुआ है।

भूमिगत जल स्तर की गुणवत्ता में कमी

जल प्रदूषण के कारण नाले के आस पास के भूमिगत जल स्तर में भी गिरावट आई है तथा जल की गुणवत्ता व अनुपात में भारी कमी आई है। इसके आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छ जल की भारी कमी है तथा भूमिगत जल स्तर अत्यधिक कम है। यहाँ पहले के मुकाबले अब ज्यादा गहराई मे जाना पड़ता है स्वच्छ जल के लिए।

Image-5

समस्यो के कारण

- प्लेस्टिक कचरा

प्लेस्टिक कचरा तथा गन्दा पानी नालें के जल प्रदूषण का मुख्य कारण है क्योंकि घरो का गन्दा पानी सीवर द्वारा नालों में पहुचता है जो नाले के पानी में मिलता है और पानी को गन्दा का बदबू उत्पन्न करता है जिससे नाले में जल प्रदूषण बढ़ता है और नाले का पानी गन्दा हो गया है क्योंकि प्लेस्टिक गन्दे पानी में साबुन आदि के रसायन पानी खराब करते है तथा प्रदूषण का कारण बनते है।

२

- **औद्योगिकीकरण** नालों के आस-पास बसें कारखानों से निकलनें वाले व्यर्थ जल में उपस्थित रसायनिक तथा जैविक पदार्थो के नाले के जल में मिलने से नाले के जल की गुणवत्ता में कमी आती गई है। कारखानों में तथा छोटे-छोटे उद्योगों से निकले वाले पानी में भी नाना गंदा होतागया।

- **MCD की लापरवाही**

कूडे का सही निपटारा ना होनो तथा MCD का कूडे के प्रति लापरवाही के कारण भी लोगो को मजबूरी में कूडे को नाले में डालना पड़ता है तथा नियोजित तरह से भी कूडे के निपटारा का लोगों को ज्ञान ना होना भी इसका कारण है लोगों मे जागरूकता की कमी।

- **शहरीकरण**

शहरीकरण सभी समस्याओं का मुख्य कारण है जैसे-जैसे जनसंख्या विधि हुई है वैसे-वैसे प्रत्येक प्राकृतिक संसाधन की कमी आई है जिनमे से जल की कमी है जिससे भी जल प्रदूषण हुआ है।

पर्यावणीय प्रभाव

- जंलीय जीवन का नाश

जल प्रदूषण तथा नाले के गंदे होने का सबसे ज्यादा प्रभाव जलीय जीवों पर हुआ है। जलीय जीवन समाप्त हो गया है तथा जीवों का प्राकृतिक निवास ~~कम~~ खत्म हो गया है इसका कारण रसायनिक प्रदार्थ को जल में मिलना है।

- वायु प्रदूषण

नाले के गंदे होने से तथा उसके चारों ओर कुड़ा-कचरे से निकलने वाले बदबू तथा अस्वच्छ वायु से वायु प्रदूषण होता है कचरे से कई प्रकार के व जहरीले प्रदार्थ से वायु प्रदूषण भी अधिक हुआ है।

- प्राकृतिक सुंदरता में कमी

जल प्रदूषण के कारण नालें के जल में उपस्थित जहरीले पदार्थो से पेड़-पौधो का नाश हुआ है जिससे प्राकृतिक सुंदरता में कमी आई है तथा

- भूगिवात जल की कमी

भूमिगत जल स्तर में कमी नाले के प्रदूषण का एक प्रभाव है। भूमि में जल की स्थिति बहुत खराब है। तथा जल स्तर अत्यधिक नीचे चले गए है।

समाजिक प्रभाव

- स्वच्छ जल खरीदना

जल प्रदूषण का समाजिक प्रभाव यह हुआ है कि दिल्ली में लोगों पीने तथा स्वच्छ जल खरीदना पड़ता है क्योंकि पीने योग्य जल बहुत कम है इसी कारण लोगों के जीवन पर इसका अधिक प्रभाव पड़ता है।

- स्वास्थ्य समस्याएँ

नाले में उपस्थित गन्दे पानी से लोगों को कई प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इसे कई बीमारियाँ होती है जैसे— पीलिया, डेंगू, मलेरिया तथा डाइरिया आदि।

- जल भराव

नालें में बरसात के समय जल स्तर बहुत बढ़ जाता है जिससे पानी गलियों आदि में भर जाता है जिसके कारण लोगों को बहुत परेशानी होती है आना-जाना मुश्किल हो जाता है चारों ओर कीचड़ से लोगों को परेशानी होती है

- साँस लेने में परेशानी

नाले के पास वाले क्षेत्रो में लोगों को साँस लेने भी समस्या होती है क्योंकि नाले के गन्दे पानी तथा कचरे से बहुत ज्यादा बदबू की समस्या रहती है जो लोगों पर अत्यधिक प्रभाव डालता है।

सरकार के कदम

जल शुद्धिकरण संयंत्र

सरकार ने दिल्ली में जल की भारी कमी की पूर्ती तथा गंदे जल को पुनः उपयोग के लिए दिल्ली के नालों पर जल शुद्धिकरण संयंत्र लगा कर जल प्रदूषण को कम किया है। गंदे जल को साफ कर घरेलू कार्य तथा खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है जिससे दिल्ली में पानी की कमी की समस्या को भी दूर करने में सहायता मिली है।

Image-6

सफाई कार्यक्रम

नालों की सफाई तथा उनके बेहतरी के लिए सरकार ने बड़े-बड़े सफाई उपकरण को भारी मात्रा में लगाया है जिससे नालों की गंदगी तथा कचरे को साफ किया जाता है। नालों की सफाई के लिए अलग विभाग बनाया गया है जो नालों की साफ-सफाई तथा नालों के सही संचालन को देखता है। परंतु यह अपने कार्य को जिम्मेदारी पूर्वक नहीं करते हैं।

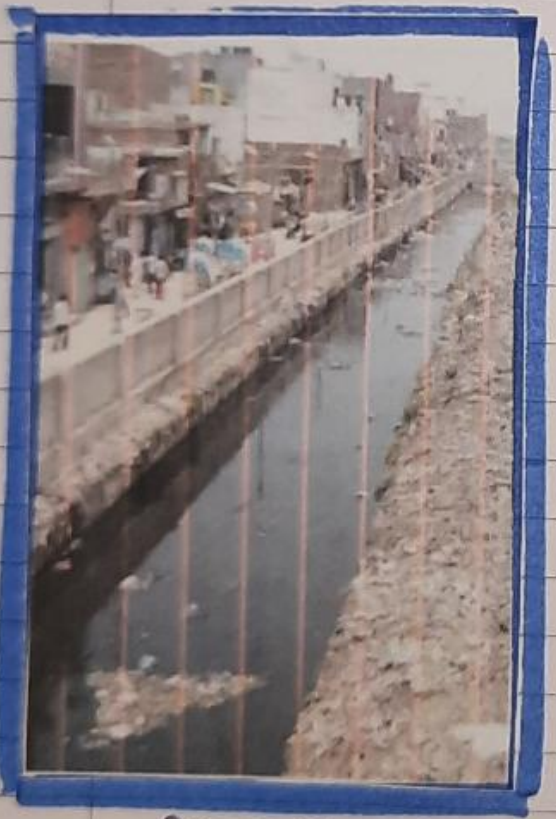

Image-7

TELCO

Teacher's Sign

बाढ़

सरकार ने दिल्ली के नालों तथा नजफगढ़ नाले पर जगह-जगह बाढ बनाए हैं जिससे नालों में पानी के बहाव को नियंत्रित किया जाता है ताकि पूरी दिल्ली से गंदा जल आसानी से बाहर जा सके तथा बाढ़ द्वारा पानी रोक कर उसको साफ कर अन्य कामों में लगा सके।

Image-8

Topic ______ Date. ______ 14

सुझाव

नियोजित कुड़ा केन्द्र [Dumping Yard]

सरकार को जगह - जगह कुड़ा केन्द्र बनाना चाहिए जिससें लोग कुड़ा नाले में सीधा ना फेंक पलास्टिक की वस्तु व कुडे को नाले में डालने सें नाले में पानी जमने लगता है तथा उसका बहाव भी रुक जाता है जिसको रोकने के लिए सरकार को नियोजित कुड़ा केन्द्र बनाने की आवश्यकता है तथा इसको हर क्षेत्र में बनाए जहां लोग जा सके। तथा MCD की कुड़ा गाड़ी का भी रोज आना

गन्दे जल का उदासीनीकरण

सरकार को छोटे तथा बड़े दोनो उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी को भी नाले में सीधे मिलने रोकना होगा ताकि नाले का पानी जलीय जीवों के लिए खराब ना हो तथा उद्योग के गन्दे जल में उपस्थित रसायनों को भी नष्ट करने के बाद नालो में डालना चाहिए जिससे नाले का Ph बना रहे।

Image - 9

TELCO

Teacher's Sign.

Topic Date.

नालों को ढकना

नालों को ढकना। यह सुझाव इस लिए है कि नालो के ढकाव से नालो में कुडे की समस्या से निपय जा सकता है तथा उसे सीमेंट की बड़ी-बड़ी सीलियो से ढकना चाहिए जिससे नालों के उपर की जगह का भी इस्तेमाल किया जा सके सरकार ने। दिल्ली के कई इलाकों के नाले को इसी प्रकार ढककर उनके उपर रोड बनाया है जिससे लोगों को आने जाने की सुविधा हुई है तथा नाला भी साफ रहता है इसी तरह सरकार को पूरी दिल्ली के नालों पर करना चाहिए।

नालों कीटनाशक का उपयोग

सरकार द्वारा नालों में दवा का छिडकाव करना चाहिए जिससे नाले उत्पन्न होने वाले मच्छर तथा अन्य जीवो को उत्पन्न होने से रोका जा सके जिससे डेंगू-मलेरिया आदि बीमारियों को दूर तथा कम किया जा सके तथा इन इलाकों मे स्वच्छता आ सके। इन कीटनाशको में वातावरण में उपस्थित बीमारी फैलाने वाले कीयें का नष्ट किया जा सकेगा।

TELCO

निष्कर्ष

नजफगढ़ झील जो कुछ समय पैहले पानी का दिल्ली से सबसे बड़ा साधन थी आज वह शहरीकरण के कारण नाले मे बदल गई है। जिसने प्राकृति तथा मानव समाज दोनों को हानि की है। बढ़ते प्रदूषण तथा प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से, घरेलू कचरे, औद्योगीकीकरण की रफतार तथा बढ़ते समाज ने प्राकृति का बहुत नाश हुआ है यहि कारण है कि विश्व में बड़े स्तर पर प्राकृति समस्याएँ उत्पन्न हो रही है जैसे ग्लोब वोर्मिंग, बाढ़ तूफान, भुखलन जैसी आपदा उत्पन्न हो रही है आज विश्व स्तरी समस्या कोरोना महामारी भी इसी प्राकृति नुकसान का नतीजा है पिछले कुछ दशकों में मानव ने आधुनिकता की ओर बढ़े तथा प्राकृतिक संपदा को समाप्त कर दिया है इसी तरह समय के साथ नजफगढ़ नाला जल प्रदूषण का केन्द्र बन गया। तथा अब सरकार तथा लोगों साथ मिलकर इसे पुनः स्वच्छ बनाना चाहिए तथा विश्व स्तर पर प्राकृति सपदा को पुनः बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए ताकि हमारी धरती सदैव बनी रहे तथा आने वाली पीढ़ियाँ सुख पूर्वक रह सके।

Topic

Date.

Image-10

BIBLOGRAPHY

- WWW. Najafgarh drain (Wikipedia) com
  W.WW. Denik Jagran . com
- from gaonconnection.com

- Image- 2 4 8 10 [Self click]

- Image-1 Wikipedia. com
- Image-3 researchgate. net
- Image 5 jagran. com

- Discussion with local area people.